भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4236

दिनांक 19 अगस्त, 2025

ओडिशा में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना

4236. श्री प्रदीप पुरोहित :

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ओडिशा के बरगढ़ जिले में, जिसे "ओडिशा का धान का कटोरा" कहा जाता है और जहाँ 90% से अधिक किसान धान की खेती पर निर्भर हैं, एक केंद्रीय या राज्य कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) पिछले पाँच वर्षों के दौरान बरगढ़ जिले में कुल धान का उत्पादन कितना है और क्या सरकार इस क्षेत्र में उन्नत कृषि अनुसंधान और प्रशिक्षण अवसंरचना पर विचार कर रही है;

(ग) क्या सरकार कृषि-आधारित नवाचार और ग्रामीण रोज़गार को बढ़ावा देने के लिए पश्चिमी ओडिशा, विशेषकर बरगढ़ जैसे वंचित ग्रामीण क्षेत्रों में नए कृषि-केंद्रित उच्च शिक्षा संस्थान स्थापित करने की योजना बना रही है; और

(घ) क्या सरकार ने धान किसानों के लाभ के लिए एक क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान और विस्तार केंद्र स्थापित करने हेतु बरगढ़ सहित पश्चिमी ओडिशा की कृषि संभावनाओं का आकलन किया है?

<u>उत्तर</u>
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) : वर्तमान में, ओडिशा के बरगढ़ जिले में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

इसके अलावा, कृषि सहित कृषि शिक्षा राज्य का विषय होने के कारण संबंधित राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार नया कृषि विश्वविद्यालय स्थापित किया जा सकता है।

(ख) : पिछले छः वर्षों के दौरान बरगढ़ जिले में धान का उत्पादन निम्नलिखित है:

वर्ष	उत्पादन (हजार टन)
2018-19	599.36
2019-20	582.00
2020-21	1047.46
2021-22	817.70
2022-23	1311.28
2023-24	577.08 (सिर्फ खरीफ)

ओडिशा राज्य के कटक में पहले से केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान काम कर रहा है जो धान के क्षेत्र में अग्रत कृषि अनुसंधान कर रहा है और बरगढ़ जिले सहित क्षेत्र की स्थानीय अनुसंधान और विकास जरूरतों को भी पूरा कर रहा है। क्षेत्र की विस्तार जरूरतों को पूरा करने के लिए इस जिले में एक कृषि विज्ञान केंद्र भी काम कर रहा है।

(ग) : वर्तमान में, भारत सरकार द्वारा उच्च कृषि शिक्षा पर संकेंद्रित नया संस्थान स्थापित करने की कोई योजना नहीं है।

तथापि, ओडिशा राज्य में 1 राज्य कृषि विश्वविद्यालय अर्थात ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर अपने 11 संघटक महाविद्यालयों के साथ काम कर रहा है।

इसके अतिरिक्त राज्य में भाकृअनुप के निम्नलिखित 09 संस्थान तथा क्षेत्रीय केंद्र काम कर रहे हैं:

i) भाकृअनुप-केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर
ii) भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
iii) भाकृअनुप-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर
iv) भाकृअनुप-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर
v) भाकृअनुप-राष्ट्रीय मुहंपका एवं खुरपका रोग संस्थान, भुवनेश्वर
vi) भाकृअनुप-केन्द्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, भुवनेश्वर
vii) भाकृअनुप-कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय (डीपीआर) क्षेत्रीय केन्द्र, बारामुंडा, भुवनेश्वर
viii) भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), क्षेत्रीय केन्द्र, कटक
ix) केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान (सीआरआईजेएएफ)- सीसल अनुसंधान केन्द्र, बामरा, संभलपुर

सरकार ने राज्य सरकार के विस्तार कार्मिकों तथा किसानों के बीच प्रौद्योगिकी आकलन, प्रदर्शन तथा क्षमता निर्माण द्वारा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की नई प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए बरगढ़ जिले में एक कृषि विज्ञान केन्द्र सहित ओडिशा राज्य में 33 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) स्थापित किए हैं। अपने कार्यकलापों के हिस्से के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों, किसान महिलाओं तथा ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

(घ) : भाकृअनुप- केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक अपने तीन उप-केन्द्रों अर्थात हजारीबाग (झारखंड), गेरूआ (असम) तथा नाईरा (आंध्र प्रदेश) के साथ बरगढ़, ओडिशा सहित देश में विभिन्न राज्यों की विविध पारिस्थितिकीय क्षेत्रों में चावल की खेती की उत्पादकता, लाभप्रदता और टिकाऊपन में वृद्धि करने के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रसार पर काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर), हैदराबाद, तेलंगाना भी देश में चावल पर अनुसंधान कार्य कर रहा है। उपरोक्त के अलावा, भुवनेश्वर स्थित ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी) द्वारा ओडिशा के लिए चावल पर अनुसंधान और विस्तार कार्यकलाप किए जा रहे हैं। वर्तमान में, बरगढ़, ओडिशा में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान एवं विस्तार केन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

****